शैलपुत्री माता आरती (Shailputri Mata Aarti)

शैलपुत्री माता आरती (Shailputri Mata Aarti)
जय शैलपुत्री माता
मैया जय शैलपुत्री माता ।
रूप अलौकिक पावन पावन
शुभ फल की दाता ।।ी दाता ।।
जय शैलपुत्री माता ।।
हाथ त्रिशूल कमल तल
मल तल
मैया केसाजे ।ेसाजे ।
शीश मुकुट शोभामयीुट शोभामयी
मैया केसाजे ।।ेसाजे ।।
जय शैलपुत्री माता ।।
दक्षराज की कन्या
न्या
शिव अर्धांगिनी तुम ।ांगिनी तुम ।
तुम ही हो सती माता
पाप विनाशिनी तुम ।।
नी तुम ।।
जय शैलपुत्री माता ।।
वृषभ सवारी माँ की
ी
सुन्दर अति पावन । पावन ।
सौभाग्यशाली बनता
जो करले दर्शन ।।
शन ।।
जय शैलपुत्री माता ।।
आदि अनादि अनामय
अनामय
तुम माँ अविनाशी ।
नाशी ।
अटल अनत अगोचरोचर
अतुल आनंद राशि ।। ।।
जय शैलपुत्री माता ।।

नौ दुर्गाओं में मैया
ओं में मैया
प्रथम तेरा स्थान ।
रिद्धि सिद्धि पा जाता
पा जाता
जो धरता तेरा ध्यान ।।रता तेरा ध्यान ।।

जय शैलपुत्री माता ।।
प्रथम नवरात्रे जो माँ
व्रत तेरा धरे ।रे ।
करदे कृपा उस जन पेपा उस जन पे
तू मैया तारे ।।
जय शैलपुत्री माता ।।
मूलाधार निवासिनी
नी
हमपे कृपा करना ।
रना ।
लाल तुम्हारे ही हम
द्रष्टि दया रखना ।। दया रखना ।।
जय शैलपुत्री माता ।।
करुणामयी जगजननीजननी
दया नज़र कीजे ।ीजे ।
शिवसती शैलपुत्री माँ
ाँ
चरण शरण लिजे ।।
जे ।।
जय शैलपुत्री माता ।।